सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की मासिक पत्रिका

CCL

अपनी बात

अंक : 602 वर्ष 45 राँची, मार्च, 2024

टोरी-शिवपुर रेल लाइन ट्रिप्लिंग

नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट

माननीय प्रधानमंत्री ने किया सीसीएल के दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण

शिवपुर–टोरी रेल तिहरीकरण, आम्रपाली एवं चन्द्रगुप्त क्षेत्र और नॉर्थ उरिमारी सीएचपी, बरका–सयाल का हुआ उद्घाटन

सीसीएल के दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण करते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य गणमान्य

विगत 01 मार्च, 2024 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सीसीएल की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं : "टोरी – शिवपुर रेल–लाइन तिहरीकरण" एवं "नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट" का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया। भारत सरकार के 'पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान' के सिद्धांत को कोयला क्षेत्र में समाहित करते हुए कोयला प्रेषण मे गति एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बेहतर बनाने हेतु इन परियाजनाओं की शुरुआत की गयी है ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सिंदरी में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (HURL) के उद्घाटन के साथ–साथ विभिन्न कई परियोजना का लोकार्पण भी किया जिसमें सीसीएल की ये दो परियोजनाएँ भी शामिल थी।

अवसर विशेष पर परियोजना के उद्घाटन स्थल पर सीसीएल सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी, निदेशक (बीडी), सीआईएल श्री देवाशीष नंदा, परियोजना सलाहकार, कोयला मंत्रालय श्री आनंदजी प्रसाद, निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तक. (यो./परि.) श्री बी साईराम, निदेशक (तक.) श्री हरीश दुहान सहित क्षेत्रों के महाप्रबंधक, उच्च अधिकारीगण, श्रमिक एवं हितधारकगण उपस्थित थे।

प्रथम परियोजना : टोरी–शिवपुर रेल–लाइन तिहरीकरण का कार्य पूर्व–मध्य रेलवे द्वारा किया गया। यह एक रेलवे समर्पित गलियारा (Corridor) है जिसका उपयोग कोयले के प्रेषण हेतु की जानी है । इस परियोजना की कुल लागत रू. 894.00 करोड़ है। इसकी लंबाई 44.37 किलोमीटर है एवं जिसमें कुल 6 मध्यवर्ती रेलवे स्टेशन/साईडिंग हैं – बिराटोली, कुसुमाही, बालूमाथ, बुकरू, मनातू एवं फूल्बसिया। टोरी–शिवपुर रेल–लाइन का दोहरीकरण पूर्व में मार्च, 2021 में किया गया था। यह रेलवे कॉरिडोर न केवल सीसीएल की भिन्न परियोजनाओं की आवश्यकताओं, अपितु भारत सरकार द्वारा आवंटित सरकारी एवं प्राइवेट माइंस की प्रेषण आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। इस परियोजना के शुरू हो जाने से वर्तमान मे प्रेषण क्षमता 40–45 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़कर 100 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इस रेल–लाइन के आने से कोयला के परिवहन में गति आएगी एवं परिवहन द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव में भी कमी आएगी।

द्वितीय परियोजना : कोयले को खदान से रेलवे साइ. डंग तक के परिवहन से सम्बंधित है। फर्स्ट माइल रेलवे कनेक्टिवि.

टोरी-शिवपुर रेल लाइन ट्रिप्लिंग

परियोजना क्षमता : 100 MTPA

परियोजना लागत : ₹ 894 करोड़

फायदे

- एनके कोलफील्ड्स से परिवहन क्षमता को 40–45 MTPA की वर्तमान क्षमता के मुकाबले 100 MTPA तक बढ़ाया जाएगा।
- 4 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए लिंकेज
- Long Haul रेक से ढुलाई संभव
- ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी

टी के अंतर्गत नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट (CHP), उरीमारी की खुली खदान से निकटतम रेलवे सर्किट तक कोयले की निकासी की आधुनिक व्यवस्था है जहाँ से कोयले को देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों (Power Plants) तथा अन्य उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जायेगा। वर्तमान में इन खदानों से कोयला टीपर द्वारा सड़क मार्ग से नॉर्थ उरीमारी एवं सौंदा रेलवे साइडिंग तक लाया जाता है।

नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट

परियोजना क्षमता : 7.50 MTPA

परियोजना लागत : ₹ 292 करोड़

फायदे

- पर्यावरण–अनुकूल परिवहन, वायु प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं, यातायात भीड़ में कमी तथा श्वसन रोगों और तनाव संबंधी बीमारियों के रोक–थाम में मददगार
- लगभग 45 मिनट में रेक लोडिंग संभव
- ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी, जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए इसके हानिकारक प्रभावों को कम करना
- परिवहन लागत में कमी

यह कोल हैंडलिंग प्लांट एक क्लोज्ड–लूप (Closed Loop) एवं पूर्ण यंत्रीकृत प्रणाली है जो सड़क मार्ग से हो रहे परिवहन में अप्रत्याशित कमी करके कोयले के परिवहन में तेजी लाएगी। इस संयंत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 20,000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं। जिनकी सहायता से कोयले को 4000 टन भण्डारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगन में स्थानांतरित किया जाएगा। 7.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की इस परियोजना की कुल लागत रु. 292 करोड़ है। इसके शुरू होने से डीजल की खपत में भी कमी आएगी साथ ही साथ धूल और वाहन जनित कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी आएगी।

दोनों परियोजनाओं के आरम्भ होने से रोजगार सृजन में बढ़ोत्तरी एवं सम्बंधित क्षेत्रों का पूर्ण विकास संभव हो सकेगा। निश्चित रूप से ये परियोजनाएँ इस क्षेत्र के कोयला परिवहन, कोयले की निर्बाध आपूर्ति तथा ऊर्जा सुरक्षा में "गेम चेंजर" साबित होंगे। सीसीएल परिवार अपने लक्ष्य "राष्ट्र के ऊर्जा प्रहरी" को परिलक्षित करते हुए टीम भावना के साथ देश की प्रगति में ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ती हेतु अग्रसर रहेगी।

कोल इंडिया व सीसीएल के सीवीओ ने किया ढोरी क्षेत्र का दौरा

दिनांक 01 मार्च को कोल इंडिया के सीवीओ श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी एवं सीसीएल के सीवीओ श्री पंकज कुमार ने विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ ढोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना का दौरा एवं निरीक्षण किया। वहाँ वे ढोरी, बी. एंड के. और कथारा क्षेत्रों के जीएम व अधिकारियों के साथ चपरी गेस्ट हाउस मे क्षमता निर्माण प्रोग्राम एवं न्यू रोड सेल गाइड लाइन के वर्कशॉप में शामिल हुए। इस दौरान सतर्कता विषय पर कोल इंडिया और सीसीएल के सीवीओ ने पेशेवर जीवन के सभी पहलुओं में सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया। श्री पंकज कुमार ने अपने विभाग से सम्बंधित एक संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत करते हुए विभाग द्वारा की गई सतर्कता निवारक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने 2009 के रोड सेल गाइड लाइन के कमियों को दूर करते हुए 2023 के गाइड लाइन का संक्षिप्त विवरण दिया। कोल इंडिया के सीवीओ श्री त्रिपाठी ने सीसीएल सतर्कता विभाग द्वारा किये गए कार्यों की सराहना की और संभावित सुधार के लिए कई सुझाव भी दिए।

दिव्यांगों को व्हीलचेयर प्रदान करते सीवीओ, सीआईएल श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, सीवीओ, सीसीएल श्री पंकज कुमार एवं जीएम, ढोरी श्री एम. के. अग्रवाल

इस अवसर पर कोल इंडिया व सीसीएल के सीवीओ सहित ढोरी जीएम श्री एम. के. अग्रवाल ने 7 दिव्यांगों को बैटरी और मैन्युअल व्हीलचेयर प्रदान किये। बैठक मे ढ़ोरी जीएम श्री मनोज कुमार अग्रवाल, बी. एंड के. जीएम श्री के. रामाकृष्णा और कथारा जीएम श्री दिनेश कुमार गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

सीसीएल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंच पर उपस्थित गणमान्य महिलागण

08 मार्च को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, राँची सहित क्षेत्रों में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के उत्सव का थीम "इन्वेस्ट इन वीमेन एम्पावरमेंट : एक्सेलरेटे प्रोग्रेस (Invest in Women Empowerment : Accelerate Progress)" है।

वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (WIPS), सीसीएल द्वारा अवसर विशेष पर सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अवसर विशेष पर जस्टिस रंजना अस्थाना, ईडी, आईआईसीएम, श्रीमती कामाक्षी रमन, कर्नल श्रद्धा, सिस्टर बी. के. निर्मला सहित विभिन्न गणमान्य महिला उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और मुख्यालय से महिला कर्मचारियों ने भाग लिया । इस अवसर पर कंपनी की 16 महिला कर्मचारियों एवं अन्य अचीवर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने महिला दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के महत्व पर भी जोर दिया।

सिस्टर निर्मला ने अपने सम्बोधन में सभी महिलाओं को आध्यात्मिक होने की सलाह दी और बोलीं कि बाहर की खूबसूरती से ज्यादा अंदर की खूबसूरती पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिदिन योगा और ध्यान करनी चाहिए।

जस्टिस रंजना अस्थाना ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संबोधित करते
सीएमडी, सीसीएल डॉ. बी. वीरा रेड्डी

परिवेश में महिलाएँ सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी प्रेरणादायक महिलाओं की कोई कमी नहीं है जिन्होंने खुद को साबित करने के लिए कठिन बाधाओं को पार किया है।

ईडी, आईआईसीएम, श्रीमती कामाक्षी रमन ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिलाओं को हर समय अपने ऊपर विश्वास रखना चाहिए और प्रतिदिन कुछ नया सीखने के लिए अपने आप को समय देना चाहिए।

कर्नल श्रद्धा अपने सम्बोधन में उनकी इंस्पिरेशनल जर्नी के बारे में विस्तार में बताई।

स्वागत सम्बोधन विभागाध्यक्षा (कल्याण) श्रीमति रेखा पांडे द्वारा दिया गया। विभागाध्यक्षा (मानव संसाधन) श्रीमती कविता गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और अंचल श्रीवास्तव एवं दिव्या कुमारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

पासिंग–आउट प्रशिक्षुओं के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित

दीक्षांत समारोह का एक दृश्य

मानव संसाधन विकास विभाग, सीसीएल ने इस वित्तीय वर्ष के प्रशिक्षुओं के लिए 01 मार्च को एक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। सरकार की कौशल भारत पहल के अनुरूप कौशल विकास के लिए एक मार्ग प्रदान करता है। पाठ्यक्रमों के सफल समापन पर, 80 प्रशिक्षुओं को योग्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं (कुल 41 अकाउंट्स में, 23 मेडिकल लेबोरेटरी तकनीशियन में, 3 वायरमैन में, 5 सर्वेक्षक में और एक–एक शॉर्ट फायर/ब्लास्टर, एसबीए में)। यह पहल हमारे कार्यबल को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही समाज में सार्थक योगदान देने के सीसीएल के मिशन के अनुरूप भी है। अवसर विशेष पर श्री बी.के. सिंघा, क्षेत्रीय निदेशक, आरडीएसडीई, श्री बी.के. मांडवी, उप निदेशक, एसडीई और श्री हिमांशु गुप्ता, सहायक निदेशक, एसडीई उपस्थित थे। श्री आर.के. पांडे, महाप्रबंधक (एचआरडी), श्री संजय कु सिंह, निदेशक वित्त के तकनीकी सचिव, श्री संजय एवं मानव संसाधन विकास विभाग के सभी अधिकारी भी उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह का एक दृश्य

गणमान्य द्वारा इस अवसर पर प्रेरक भाषण भी दिया गया जिससे की प्रशिक्षु प्रेरित हो। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए गए। श्री मनीष रंजन, उप. प्रबंधक (ईएंडएम/एचआरडी) ने स्वागत भाषण दिया, सीसीएल द्वारा किए गए प्रशिक्षुता के संबंध में विभिन्न प्रशिक्षण और विकास गतिविधियों के बारे में बताया और कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि श्रीमती कविता कुमारी, प्रबंधक (पी/एचआरडी) ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सोच ही पूंजी है, उद्यम ही रास्ता है
कड़ी मेहनत ही समाधान है।

– डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

19 मार्च को गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल के जन आरोग्य केंद्र में निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 120 लोगों की जाँच की गई। शिविर में चिकित्सा के दौरान 45 मोतियाबिंद के मरीज मिले। इन मरीजों का ईलाज/सर्जरी गांधीनगर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क किया जायेगा। शिविर में शामिल हुए बाकी सभी मरीजों को भी निःशुल्क दवा दिया गया।

ज्ञात हो कि सीसीएल सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी के मार्गदर्शन एवं निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र के नेतृत्व में सीसीएल अपने हितधारकों के लिए इस तरह का आयोजन समय–समय पर करता रहता है। सीसीएल के कमान क्षेत्र सहित आस–पास के लोग इस शिविर का लाभ लेने के लिए शामिल हुए। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा प्रदान करना था।

निःशुल्क मातियाबिंद जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का एक दृश्य

आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र ने समय से पहले हासिल किया उत्पादन लक्ष्य

सीसीएल के आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र ने 21MT का उत्पादन लक्ष्य निर्धारित समय से 13 दिन पूर्व ही प्राप्त कर लिया है । पिछले वर्ष आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र ने 18 MT कोयले का उत्पादन किया था। पिछले वर्ष की तुलना में आम्रपाली क्षेत्र ने 26% की वृद्धि के साथ अब तक 21 MT कोयले का उत्पादन किया है।महाप्रबंधक श्री अमरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी टीम पूरी निष्ठा के साथ उत्पादन में लगी हुई थी।

आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल की महत्तवपूर्ण महत्वाकांक्षी क्षेत्र है।जिसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएँ हैं। आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 MT कोयले का का भंडार है, वही दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 MT कोयले का भंडार है।इस वित्तीय वर्ष में आम्रपाली परियोजना 23 MT उत्पादन की ओर अग्रसर है।

ज्ञात हो की इस वर्ष सीसीएल का उत्पादन लक्ष्य 84 MT था। सीसीएल सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी के नेतृत्व में पूरी टीम लक्ष्य प्राप्ति की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर है। वार्षिक उत्पादन हेतु श्रमिक बंधुओ को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यालय से वरीय अधिकारीयों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा किया जा रहा था, साथ ही साथ श्रमिक बंधुओं को सम्मानित भी किया जा रहा था जिससे उनमें उत्साह की भावना बनी रहे।

सीसीएल में बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर बनेगा सैलरी

01 अप्रैल, 2024 से पुनः बायोमैट्रिक प्रणाली लागू

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में एक बार पुनः 01 अप्रैल, 2024 से बायोमैट्रिक प्रणाली को लागू कर दिया गया है यानि अब बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही कर्मियों का वेतन बनेगा। सीसीएल में अत्याधुनिक बायोमैट्रिक मशीनों की स्थापना की गयी है जिससे कर्मियों को कोई भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा और सरल तरीको से यानि चेहरा पहचान या हथेली पहचान के द्वारा तुरंत उपस्थिति बन जायेगा।

ज्ञातव्य हो कि सीएमडी डॉ. बी. बीरा रेड्डी के मार्गदर्शन एवं निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र के कुशल नेतृत्व में विभागाध्यक्ष (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध), श्री नवनीत कुमार एवं विभागध्यक्ष (एनईई), श्री पी.के. सिन्हा ने पहल करते हुये श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों से सहमति के साथ बायोमैट्रिक प्रणाली को लागू किया गया। यह सिस्टम वर्ष 2018 में आरंभ किया गया था लेकिन वैश्विक कोरोना महामारी के कारण इसे बंद कर दिया गया था।

यूनियन प्रतिनिधियों ने उपरोक्त पहल की प्रशंसा की और उम्मीद जताई की इस सकारात्मक पहल से कर्मियों में अनुशासन और कार्यक्षमता की वृद्धि होगी।

सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023–24 का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया

दिनांक 27 मार्च, 2024 को सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए निर्धारित कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन 4 दिन शेष रहते प्राप्त किया। ज्ञात हो कि 84 मिलियन टन अभी तक का सबसे अधिक उत्पादन लक्ष्य था। सीसीएल के अधिकतर क्षेत्र समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया है।

भारत सरकार, राज्य सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड, सहयोगी कंपनियों, स्थानीय प्रशासन तथा हितधारकों के योगदान से सीसीएल ने समय से पहले अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया।

सीसीएल के सीएमडी, निदेशकगण, मुख्यालय के विभागाध्यक्षों एवं क्षेत्रों के महाप्रबन्धकों को लेकर एक टीम बनाई गयी थी, जो लगातार उत्पादन प्रक्रिया का मॉनिटरिंग एवं सहयोग कर रही थी। यह टीम क्षेत्रों में जाकर कामगारों के उत्साह वर्धन कर रही थी जिससे सीसीएल के सभी अधिकारी एवं कर्मी एक टीम भावना के तहत कार्य करें जिसके फलस्वरूप सीसीएल ने समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

ज्ञात हो कि सीसीएल झारखंड के आठ जिलों – राँची, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियाँ संचालित कर रहा है। सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में स्थित विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है।

सीसीएल अपने कमान क्षेत्रों एवं आस–पास के हितधारकों के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सीसीएल द्वारा अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएँ परिचालित किये जाते हैं। इन योजनाओं का लाभ सीसीएल का कमान क्षेत्रों एवं आस–पास के लोगों को मिलता है। सीसीएल प्रतिदिन श्रमिक दिवस एवं प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को कोयला उत्पादन दिवस मना रहा है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी सहित सभी निदेशकगण ने पूरे सीसीएल परिवार को हार्दिक बधाई दी और कहा कि सभी बाधाओं को पार कर इस कठिन कार्य को करने में पूरे सीसीएल परिवार का सराहनीय योगदान है और आगे भी टीम सीसीएल इसी तरह नए–नए कीर्तिमान स्थापित करती रहेगी।

सेवानिवृत्त हो रहे 62 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

सम्मान–सह–विदाई समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान एवं निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा

विगत 30 मार्च को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे 5 कर्मियों – श्री चंदेश्वर सिंह, मुख्य प्रबंधक (एमएम) (क्रय), डॉ. सुनीता प्रसाद, सीएमओ, गांधीनगर अस्पताल, श्री सुनील कुमार तिवारी, मुख्य प्रबंधक, (सीपीआरएमएस एवं पेंशन), श्री राम नरेश दास, सब. इंजीनियर (ई एंड एम), टीए विभाग, श्री सुशांत कुमार भट्टाचार्जी, वरीय ईसीजी तकनीशियन, गांधीनगर अस्पताल को सीसीएल की ओर से एक "सम्मान– सह – विदाई समारोह" का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, विशिष्ट अतिथि निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष/महाप्रबंधक एवं सेवा निवृत्त कर्मियों के परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि मार्च माह में सीसीएल मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 62 कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीसीएल के सभी क्षेत्र में भी इस तरह का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि श्री हरीश दुहान ने समारोह के मुख्य आकर्षण सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को सेवाकाल के सफल समापन पर बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के योगदान के फलस्वरूप कंपनी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। निश्चित रूप से आपके अनुभव की कमी हमें महसूस होगी । आप सब की मेहनत और सार्थक प्रयास से कंपनी नई ऊँचाई छु रही है। श्री दुहान ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के जीवन के दूसरी पाली के लिए शुभकामनाएँ दी।

अवसर विशेष पर निदेशक तकनीकी (योजनाध्परियोजना) श्री सतीश झा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि द्वितीय पाली में आप ज्यादा से ज्यादा परिवार को समय दें और अपनी पसंद का कार्य करें।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (विडियो क्लिप) प्रदर्शित किया गया। इस वीडियो में कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को विडियो के माध्यम से साझा किया। सभी 5 सेवानिवृत्त कर्मियों ने कंपनी के प्रति शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी हमारे पूरे सेवा काल में जीवन का एक अभिन्न अंग रही है।

सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कल्याण विभाग के विभागाध्यक्षा श्रीमती रेखा पांडेय ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों का विशेष योगदान रहा।

समाचार पत्रों में सीसीएल

प्रधानमंत्री मोदी ने किया सीसीएल के दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण

वरीय संवाददाता

रांची। नरेंद्र मोदी ने सीसीएल की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं में टोरी शिवपुर रेल-लाइन तिहरीकरण एवं नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया। भारत सरकार के 'पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान' के सिद्धांत को कोयला क्षेत्र में समाहित करते हुए कोयला प्रेषण मे गति एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बेहतर बनाने के लिए परियाजनाओं की शुरूआत की गयी है। प्रधानमंत्री ने सिंदरी में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के उद्घाटन के साथ-साथ विभिन्न कई परियोजना का लोकार्पण भी किया जिसमें सीसीएल की ये दो परियोजनाएं भी शामिल थी। इस मौके पर पर सीसीएल सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी, निदेशक (बीडी), सीआईएल देवाशीष नंदा, परियोजना सलाहकार, कोयला मंत्रालय आनंदजी प्रसाद, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (यो./परि.) बी साईराम, निदेशक (तक.) हरीश दुहान सहित बहुत क्षेत्रों के महाप्रबंधक, उच्च अधिकारीगण, श्रमिक एवं हितधारकगण उपस्थित थे। टोरी शिवपुर रेल-लाइन तिहरीकरण का कार्य पूर्व-मध्य रेलवे द्वारा किया गया। यह एक रेलवे समर्पित गलियारा है जिसका उपयोग कोयले के प्रेषण हेतु की

जानी है । इस परियोजना की कुल लागत रू. 894.00 करोड़ है। इसकी लंबाई 44.37 किलोमीटर है एवं जिसमें कुल 6 मध्यवर्ती रेलवे स्टेशन/ साईडिंग हैं। बिराटोली, कुसुमाही, बालूमाथ, बुकरू, मनातू एवं फूल्बसिया। टोरी-शिवपुर रेल-लाइन का दोहरीकरण पूर्व में मार्च, 2021 में किया गया था। यह रेलवे कॉरिडोर न केवल सीसीएल की भिन्न परियोजनाओं की आवश्यकताओं, अपितु भारत सरकार द्वारा आवंटित सरकारी एवं प्राइवेट माइंस की प्रेषण आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। इस परियोजना के शुरू हो जाने से वर्तमान मे प्रेषण क्षमता 40-45 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़कर 100 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इस रेल-लाइन के आने से कोयला के परिवहन में गति आएगी एवं परिवहन द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव में भी कमी आएगी। द्वितीय परियोजना कोयले को खदान से रेलवे साइडिंग तक के परिवहन से सम्बंधित है। फर्स्ट माइल रेलवे कनेक्टिविटी के अंतर्गत नॉर्थ उरीमारी कोल हैंडलिंग प्लांट , उरीमारी की खुली खदान से निकटतम रेलवे सर्किट तक कोयले की निकासी की आधुनिक व्यवस्था है जहां से कोयले को देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जायेगा। वर्तमान में इन खदानों से कोयला टीपर द्वारा सड़क मार्ग से नॉर्थ उरीमारी एवं सौंदा रेलवे साइडिंग तक लाया जाता है।

यह कोल हैंडलिंग प्लांट एक क्लोज्ड-लूप एवं पूर्ण यंत्रीकृत प्रणाली है जो सड़क मार्ग से हो रहे परिवहन में अप्रत्याशित कमी कर- के कोयले के परिवहन में तेजी लाएगी। इस संयंत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 20,000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं। जिनकी सहायता से कोयले को 4000 टन भण्डारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगन में स्थानांतरित किया जाएगा। 7.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की इस परियोजना की कुल लागत रु. 292 करोड़ है। इसके शुरू होने से डीजल की खपत में भी कमी आएगी साथ ही साथ धूल और वाहन जनित कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री से मिले सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी

पंच संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से आज झारखंड विधान सभा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी डॉ० बी वीरा रेड्डी ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री से उन्होंने कोयला के उत्पादन एवं प्रेषण में 2023-24 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन का आग्रह किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि उत्पादन एवं प्रेषण लक्ष्य प्राप्त होने से राज्य को राजस्व की प्राप्ति में वृद्धि होगी।

Govt pushes for coal mining gear to be made-in-India

Our Bureau
Chennai

As India's coal sector ramps up production (from about a billion tonnes now to 1.5 billion tonnes by 2030) the sector is going to need a lot of mining equipment, opening a lucrative opportunity for manufacturers to make in India. These are machinery such as rope shovels, dumpers, dozers, motor graders, front end loaders and wheel dozers — all high-capacity equipment for opencast mines.

Underground coal mining offers another compelling opportunity. Because production from underground mines is less environmentally disruptive, the government is keen to raise it from about 25 million tonnes today to about 100 million tonnes in the next few years. These mines too need machinery, mainly 'continuous miners'. Make them in India: This was the message Coal Secretary Amrit Lal Meena, gave a 'stakeholders meeting' of representatives from mining equipment companies here today. Coal India, the country's biggest coal miner, today has 4,747 pieces of major mining equipment; it is going to need 9,361 more, as it ramps up production from 780 million tonnes in 2023-24 to 1,300 mt by 2029-30.

Amrit Lal Meena, Secretary, Ministry of Coal BIJOY GHOSH

B Veera Reddy, Director (Technical), Coal India, said the country would need 20,155 pieces of equipment by 2030. Prabhat Mittal of Sandvik Mining and Rock Solutions, said that the company was interested in investing in India to make 'continuous miners' for UG mining. Referring to CIL's projected demand of 195 CMs by 2030, Mittal said that these machines called for 15,000-20,000 skilled jobs to operate and maintain them.

कोल इंडिया व सीसीएल के सीवीओ ने किया ढोरी क्षेत्र का दौरा

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : कोल इंडिया के सीवीओ ब्रजेश कुमार त्रिपाठी एवं सीसीएल के सीवीओ पंकज कुमार ने विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ ढ़ोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना का दौरा एवं निरीक्षण किया। वहां वे ढोरी, बी. एंड के. और कथारा क्षेत्रों के जीएम व अधिकारियों के साथ चपरी गेस्ट हाउस मे क्षमता निर्माण प्रोग्राम एवं न्यू रोड सेल गाइड लाइन के वर्कशॉप में शामिल हुए। इस दौरान सतर्कता विषय पर कोल इंडिया और सीसीएल के सीवीओ ने पेशेवर जीवन के सभी पहलुओं में सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया। पंकज कुमार ने अपने विभाग से सम्बंधित एक संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत करते हुए विभाग द्वारा की गई सतर्कता निवारक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने 2009 के रोड सेल गाइड लाइन के कमियों को दूर करते हुए 2023 के गाइड लाइन का संक्षिप्त विवरण दिया। कोल इंडिया के सीवीओ त्रिपाठी ने सीसीएल सतर्कता विभाग द्वारा किये गए कार्यों की सराहना की और संभावित सुधार के लिए कई सुझाव भी दिए। इस अवसर पर कोल इंडिया व सीसीएल के सीवीओ सहित ढ़ोरी जीएम श्री एम. के. अग्रवाल ने 7 दिव्यांगों को बैटरी और मैन्युअल व्हीलचेयर प्रदान किये। बैठक मे ढ़ोरी जीएम श्री मनोज कुमार अग्रवाल, बी. एंड के. जीएम के. रामाकृष्णा और कथारा जीएम श्री दिनेश कुमार गुप्ता, एसओ माइनिंग अमिताभ तिवारी, एसओ पी. प्रतुल कुमार, पीओ के. आर. सत्यार्थी, रंजीत कुमार, शैलेश प्रसाद, मनोज कुमार सिंह तथा के. एस. गैवाल, एसओ सिविल उज्जवल कुमार सिंह, एसओ एक्स यू के. पासवान, एएफएम राजीव रंजन, एसओईएंडएम जयशंकर प्रसाद, सीएसआर अधिकारी श्री शैलेश कुमार आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

हरिश दुहान ने लिया सीसीएल डीटी का प्रभार

रांची. सीसीएल के निदेशक तकनीकी के पद पर हरिश दुहान ने योगदान दे दिया है. 29 फरवरी को निदेशक तकनीकी के पद से राम बाबू रिटायर हुए थे. श्री दुहान ने 1989 में कोल इंडिया में योगदान दिया था. कोल सेक्टर में तीन दशक से अधिक समय का काम करने का अनुभव है.

सीएमपीएफ ट्रस्टी बोर्ड के प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने दी हरी झंडी
एक हजार रुपये हुई कोयला पेंशनरों की न्यूनतम पेंशन

धनबाद, विशेष संवाददाता। रिटायर कोयला कर्मियों की न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपए करने संबंधी सीएमपीएफओ (कोयला खान भविष्य निधि संगठन) ट्रस्टी बोर्ड के प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दे दी है। इससे 1.2 लाख रिटायर कोयला कर्मी लाभान्वित होंगे। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर दी है।

- कोयला मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा-सामाजिक सुरक्षा की बड़ी पहल
- देश भर के 1.2 लाख रिटायर कोयला कर्मी होंगे लाभान्वित

कोयला मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा है कि कोयला क्षेत्र में पेंशनभोगियों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए केंद्र सरकार ने न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर रुपए 1000 प्रतिमाह करने की मंजूरी दे दी है। कोयला खदान पेंशन योजना 1998 के तहत 1000 रुपए प्रतिमाह का लाभ लगभग 1.2 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा। वैसे पेंशनर जिनको एक हजार से कम पेंशन मिल रही है, उन्हें अब कम से कम एक हजार पेंशन मिलेगी। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में यह मील का पत्थर है। मालूम हो कि सीएमपीएफओ बोर्ड ने सितंबर-2023 में ही दिल्ली में आयोजित बोर्ड की बैठक में न्यूनतम पेंशन एक हजार करने संबंधी प्रस्ताव को हरी झंडी दी थी। बोर्ड से स्वीकृति के बाद प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेजा गया था। लगभग छह माह तक वित्त मंत्रालय के पास प्रस्ताव रहा। अब मंजूरी दी गई है।मालूम हो कि कोल सेक्टर में काफी पहले रिटायर हुए कोयला कर्मियों को अभी दो सौ-चार सौ पेंशन मिलती है। इनकी संख्या लगभग एक लाख है। पेंशनर एसोसिएशन न्यूनतम पेंशन पांच हजार करने की मांग करती रही है। वैसे सीएमपीएफओ ने ईपीएफओ की तर्ज पर न्यूनतम पेंशन एक हजार करने का निर्णय लिया। न्यूनतम पेंशन एक हजार करने संबंधी आधिकारिक पत्र अबतक सीएमपीएफओ नहीं पहुंचा है। वैसे कोयला मंत्री के पोस्ट से इसकी पुष्टि होती है।

सीसीएल में धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

राष्ट्रीय सागर सवांददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, राँची सहित क्षेत्रों में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के उत्सव का थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एम्पावरमेंट : एक्सेलेरेटे प्रोग्रेस है। वीमेन इन पब्लिक सेक्टर , सीसीएल द्वारा अवसर विशेष पर सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अवसर विशेष पर

जस्टिस रंजना अस्थाना, ईडी, आईआईसीएम, कामाक्षी रमन, कर्नल श्रद्धा, सिस्टर बी. के. निर्मला सहित विभिन्न गणमान्य महिला उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और मुख्यालय से महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कंपनी की 16 महिला कर्मचारियों एवं अन्य अचीवर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने महिला दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के महत्व पर भी जोर दिया। सिस्टर निर्मला ने अपने सम्बोधन में सभी महिलाओं को आध्यात्मिक होने की सलाह दी और बोलीं कि बाहर की खूबसूरती से ज्यादा अंदर की खूबसूरती पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिदिन योगा और ध्यान करनी चाहिए। जस्टिस रंजना अस्थाना ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के परिवेश में महिलाएँ सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी प्रेरणादायक महिलाओं की कोई कमी नहीं है जिन्होंने खुद को साबित करने के लिए कठिन बाधाओं को पार किया है। ईडी, आईआईसीएम, कामाक्षी रमन ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिलाओं को हर समय अपने ऊपर विश्वास रखना चाहिए और प्रतिदिन कुछ नया सिखने के लिए अपने आप को समय देना चाहिए। कर्नल श्रद्धा अपने सम्बोधन में उनकी इंस्पिरेशनल जर्नी के बारे में विस्तार में बताई। स्वागत सम्बोधन विभागाध्यक्षा (कल्याण) रेखा पांडे द्वारा दिया गया। विभागाध्यक्षा (मानव संसाधन) कविता गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और अंचल श्रीवास्तव एवं दिव्या कुमारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

खत्म होगी आयातित कोयले पर निर्भरता

- कोयला मंत्री ने 'पीएम गति शक्ति-कोयला सेक्टर के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान जारी किया
- दूसरे सेक्टर की तरह कोयला क्षेत्र में भी सरकार आत्मनिर्भर भारत योजना को बढ़ा रही आगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत अभी तक अपनी बिजली क्षेत्र की जरूरत को पूरा करने के लिए विदेश से कोयला आयात कर रहा है, लेकिन अगर सबकुछ ठीक रहा तो दो वर्षों बाद देश को विदेशी कोयले की जरूरत नहीं रहेगी। 'पीएम गति शक्ति-कोयला सेक्टर के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान' को जारी करते हुए कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि कोयला सेक्टर को लेकर योजना बनाने और उस योजना को लागू करने को लेकर सरकार की सोच बदल चुकी है। मास्टर प्लान के जरिये अब एक सेक्टर से जुड़े सभी मंत्रालयों को एक साथ मिलाकर योजना बनाई जाती है। दूसरे ढांचागत सेक्टर की तरह कोयला सेक्टर में भी सरकार आत्मनिर्भर भारत योजना को आगे बढ़ा रही है और इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कारोबार करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी व आसान बनाया जा रहा है।जोशी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान बिजली मंत्रालय ने 82.1 लाख टन कोयले की मांग रखी थी, जिसे पूरा किया जा रहा है। जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान बिजली मंत्रालय ने 87.4 लाख टन कोयले की मांग की है। कोयला मंत्रालय इस आवश्यकता को भी पूरी करेगा। वैसे देश में पहली बार इस वित्त वर्ष 100 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होने जा रहा है। अगले दो वर्षों के दौरान कोयला उत्पादन में काफी तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, जिसकी वजह से कोयला आयात वर्ष 2026 से बंद किया जा सकता है। भारत अभी दुनिया में कोयले का आठवां सबसे बड़ा आयातक है। हालांकि वर्ष 2023-24 में आयात कम हुआ है लेकिन बिजली की जबरदस्त मांग को देखते हुए सरकार इसके आयात को लेकर ढिलाई नहीं बरतना चाहती। कोयला क्षेत्र के लिए जो मास्टर प्लान जारी किया गया है, वह पहली बार देश में कोयला उत्पादन के समग्र विकास का रोडमैप उपलब्ध कराता है। देश के किन-किन क्षेत्रों से कोयला निकालना है और इन्हें किस तरह से देश के दूसरे प्रमुख क्षेत्रों में पहुंचाना है, इसका समग्र रोडमैप इसमें है।

सीसीएल के 112 कर्मियों को दी गई विदाई

जासं, रांची : सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त नौ कर्मियों राम बाबू प्रसाद, निदेशक (तकनीकी/संचालन), राजेश मिश्रा, महाप्रबंधक (एम एंड एस), गुणवत्ता विभाग, रमाकांत मिश्रा, मुख्य प्रबंधक (खनन), एनआइएमएस विभाग, मनोज कुमार, मुख्य प्रबंधक, सीसीएमसी विभाग, रंजन सामंता, मुख्य प्रबंधक, वन विभाग, बसंत कुमार मांझी, सब इंजीनियर, नगर प्रशासन विभाग, घनश्याम ...फार्मासिस्ट, ए-1, ...ाल, ब्रज बिहारी ...इंचार्ज, ए-1 एवं ...फोरमैन, ए-1 को ... की ओर से विदाई ... सीसीएल सीएमडी ...ो, निदेशक (वित्त) ... आदि मौजूद थे।

अगले वित्तीय वर्ष में सीसीएल करेगी 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन : सीएमडी

संवाददाता, बेरमो

बेरमो कोयलांचल के दौरा पर रविवार को पहुंचे सीसीएल सीएमडी व कोल इंडिया के डीटी डॉ बी वीरा रेड्डी ने प्रभात खबर से विशेष बातचीत में कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में सीसीएल का कोयला उत्पादन लक्ष्य 100 मिलियन टन है. फिलहाल कुछ जगहों पर माइंस विस्तारीकरण, शिफ्टिंग और वन भूमि के क्लीयरेंस की समस्या है, जिसके समाधान की दिशा में पहल जारी है.

डॉ रेड्डी ने कहा कि सीसीएल में कुछ नयी माइंस आने वाली हैं, जिसमें कोतरे- बसंतपुर, चंद्रगुप्त के अलावा मगध एरिया में जमीन लैंड ईश्यू है. वन विभाग से स्टेड-दो का क्लीयरेंस मिलने की उम्मीद है. बेरमो की कारो ओसीपी में शिफ्टिंग समस्या है. श्री रेड्डी कहा कि सीसीएल ने गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में कोयला उत्पादन में अब तक 15 फीसदी का ग्रोथ किया है. चालू वित्तीय वर्ष में उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन है और 16 मार्च तक 79.75 मिलियन टन उत्पादन कर लिया गया है. 21 मार्च तक लक्ष्य से ज्यादा उत्पादन करने की कोशिश है. फिलहाल सबसे बेहतर प्रदर्शन मगध-आम्रपाली एरिया का है. हजारीबाग एरिया भी बेहतर कर रहा है. बेरमो कोयलांचल में बीएंडके, ढोरी व कथारा चालू वित्तीय वर्ष में 14.5 मिलियन टन कोयला उत्पादन करेगा. बीएंडके एरिया से सात, ढोरी से 4.5 और कथारा एरिया से तीन मिलियन टन कोयला उत्पादन होगा.

- चालू वित्तीय वर्ष में बेरमो के तीनों एरिया से होगा 14.5 मिलियन टन उत्पादन

Coal PSUs must plan pithead based thermal projects, says Meena

PTI NEW DELHI

The Coal Ministry has asked Coal India Ltd and NLC India Ltd to go for pithead-based thermal projects with an aim to reduce transportation cost and improve availability of dry fuel, a top government official said.

The plan is that all new thermal projects of Coal India Ltd (CIL) and NLC India Ltd should come up near the coal mines, Coal Secretary Amrit Lal Meena told PTI.

This will reduce the dependence on transportation, which is mostly through rail and road, and make the coal accessible for usage in power generation, he said, while replying to a question on new projects of coal PSUs, the official said.

The move will also reduce logistics cost and cost of power generation, he said, listing the benefits of a pithead-based unit.

Coal India has signed an agreement with Rajasthan Urja Vikas Nigam Ltd (RUVNL) for a joint venture to set up 4,100 megawatt of power generation capacity in Rajasthan, Meena said.

Of this 1,725 MW will be pithead-based capacity, 200 MW pumped storage, 50 wind while the remaining will be solar, he said.

Another coal PSU NLC and RUVNL have also signed initial agreements to set up 1,125 MW power projects in Rajasthan, he said.

Of this, 125 MW will be a lignite-based power plant while the other will be a 1,000 MW solar power plant.

CIL is also exploring thermal projects in Uttar Pradesh and Bihar, Meena said. In UP, he said CIL is in talks with the government to form a JV to take forward the plans of setting up thermal capacities in the state.

एनआईपीएम रांची चैप्टर का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम) रांची चैप्टर ने सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस में स्थापना दिवस मनाया. कार्यक्रम की शुरुआत में चैप्टर प्रेसिडेंट और सीसीएल के निदेशक कार्मिक हर्ष नाथ मिश्रा के संदेश को प्रतिभागियों के बीच रखा गया. उन्होंने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी. इसके बाद डॉ प्रज्ञा पुष्पांजलि ने 'बैक टू बेसिक ऑफ एचआर' पर कार्यशाला का आयोजन किया. इसमें एनआईपीएम सदस्य, सीसीएल अधिकारी एवं कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. वर्तमान परिवेश में एनआईपीएम इस क्षेत्र में नेटवर्किंग और करियर विकास को भी बढ़ावा का अवसर प्रदान करता है. कार्यक्रम का संचालन रांची चैप्टर के सचिव संजय ने किया. इस अवसर पर जीडी गुलाब (पूर्व निदेशक कार्मिक, एमसीएल), डॉ पीसी मिश्रा (पूर्व आईडी आईआईसीएम), नागेश झा (पूर्व महाप्रबंधक, एचईसी), रीजनल वाईस प्रेसिडेंट (पूर्वी क्षेत्र) संजय कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष शाहिद जमाल, रांची चैप्टर के सह सचिव हिमालय एवं अन्य उपस्थित थे.

India achieves 'historic' one-billion-tonne coal & lignite production: Pralhad Joshi

Rishi Ranjan Kala
New Delhi

India, the world's second largest coal consumer, on Friday surpassed the milestone of producing one billion tonnes of coal and lignite.

The world's No 2 producer, after China, also surpassed FY23's coal and lignite production of 937.22 million tonnes (mt), 25 days ahead of the time take the previous fiscal year.

Terming it as a "historical high", Coal Minister Pralhad Joshi said the achievement of 1 billion tonnes in coal and lignite production will ensure that lights are on in people's homes as the coal sector continues to power up the economy.

"Mission 1 Billion Tonne was a milestone we had put in action a few years ago considering the burgeoning electricity requirements of our nation. This is a historic milestone in India's quest for energy security under the leadership of Prime Minister Narendra Modi.

"The achievement of 1 billion tonnes in coal and lignite production will ensure the lights are on in citizens' houses even as the coal sector continues to power up the economy," he added.

INCREASING OUTPUT

On March 6, India's coal production not just surged past the milestone 900 mt, but also surpassed the FY23 output of 893.19 mt, 27 days ahead of the time taken last year. It also achieved the output of 700 mt on February 6 — 30 days in advance compared to the last fiscal year.

The country's monthly coal production exceeded 100 mt for the first time in March, totalling 107 mt, so far. In January, the monthly output had hit 99.73 mt.

The Ministry's focus on increasing production, particularly from captive and commercial mines, is to meet the growing demand for coal from the power and industrial sectors. India's power demand is expected to grow at 6-7 per cent per annum and the dry fuel accounts for around 70 per cent of the electricity generated.

The International Energy Agency (IEA), in its December coal report, said that India will be the driving force for the global coal demand till 2026, even if the global trend is decided in China.

SUFFICIENT STOCKS

India currently boasts of a substantial coal stockpile, with around 96 mt available with coal companies. The coal stocks as on March 21 at thermal plants stood at 49.2 mt, which is sufficient for 21 days. Stocks with Coal India (CIL), as on March 22, was 82.3 mt. The Ministry said it has made ample preparations to supply coal to power plants even during the peak summer season.

सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया

देशप्राण संवाददाता

रांची, 28 मार्च : बुधवार को सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन 4 दिन शेष रहते प्राप्त किया। ज्ञात हो कि 84 मिलियन टन अभी तक का सबसे अधिक उत्पादन लक्ष्य था। सीसीएल के अधिकतर क्षेत्र समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया है जो की बहुत प्रशंसनीय है। भारत सरकार, राज्य सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड , सहयोगी कंपनियों,स्थानीय प्रशासन तथा हितधारकों के सराहनीय मदद से सीसीएल ने समय से पहले अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया। सीसीएल के सीएमडी, निदेशकगण, मुख्यालय के विभागाध्यक्षों एवं क्षेत्रों के महाप्रबन्धकों को लेकर एक टीम बनाई गयी थी, जो लगातार उत्पादन प्रक्रिया का मॉनिटरिंग एवं सहयोग कर रही थीं। यह टीम क्षेत्रों में जाकर कामगारों के उत्साह वर्धन कर रही थी ताकि सीसीएल के सभी अधिकारी एवं कर्मी एक टीम भावना के तहत कार्य करें जिसके फलस्वरूप सीसीएल ने समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया। ज्ञात हो कि सीसीएल झारखंड के आठ जिलों - रांची, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियाँ संचालित कर रहा है। सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के विभिन्न अन्य राज्यों सहित देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है। सीसीएल अपने कमान क्षेत्रों एवं आस-पास के हितधारकों के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सीसीएल द्वारा अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएँ परिचालित किये जाते हैं। इन योजनाओं का लाभ सीसीएल का कमान क्षेत्रों एवं आस-पास के लोगों को मिलता है। सीसीएल प्रतिदिन श्रमिक दिवस एवं प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को कोयला उत्पादन दिवस मना रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी सहित सभी निदेशकगण ने पूरे सीसीएल परिवार को हार्दिक बधाई दी और कहा कि सभी बाधाओं को पार कर इस कठिन कार्य को करने में पूरे सीसीएल परिवार का सराहनीय योगदान है और आगे भी टीम सीसीएल इसी तरह नए नए कीर्तिमान स्थापित करती रहेगी।

सीसीएल के निदेशक कार्मिक हर्षनाथ मिश्र रांची चैप्टर के अध्यक्ष चुने गये
एनआईपीएम रांची चैप्टर की वार्षिक आमसभा संपन्न

रांची। सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में एनआईपीएम (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट) रांची चैप्टर की वार्षिक आम सभा का आयोजन हुआ। इस आमसभा में कई सदस्यो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और कई महत्वपूर्ण बिंदुओ पर बात चीत एवं आम राय बनाई गई सर्वप्रथम चैप्टर का चुनाव प्रस्तावित किया गया जिसमे सर्वसम्मति से सीसीएल के निदेशक कार्मिक हर्ष नाथ मिश्रा को रांची चैप्टर का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही शाहिद जमाल और संजय को उपाध्यक्ष, रेखा पांडेय को सचिव, हिमालय को कोषाध्यक्ष एवं रोशनी को सह सचिव चुना गया। बैठक में मौजूद सभी सदस्यो ने प्रस्ताव पारित किया कि जल्द ही रांची चैप्टर द्वारा ईस्ट जोन का रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जाएगा, जिसमे अपने अपने कार्यक्षेत्र के दिग्गज नॉलेज शेयरिंग करेंगे। एचएन मिश्रा, अध्यक्ष एनआईपीएम रांची चैप्टर/निदेशक कार्मिक, सीसीएल ने इस चैप्टर को जीवंत बनाने की ओर प्रत्येक माह एक टॉक आयोजित करने का लक्ष्य रखा, जिसमें ख्याति प्राप्त स्पीकर द्वारा संबोधन, सदस्य द्वारा पेपर प्रेजेंटेशन, स्टूडेंट चैप्टर खोलने, नए सदस्यो के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित करने इत्यादि पर जोर दिया गया। इस प्रकार उन्होंने चैप्टर को नई उंचाई पर पहुंचाने की जिम्मेदारी के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक मे कई वरीय सदस्य भी मौजूद थे, जिसमें मुख्यतः पूर्व निदेशक कार्मिक चौबे, पूर्व निदेशक कार्मिक जीडी गुलाब और कई सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सीसीएल के मुख्य प्रबंधक कार्मिक संजय द्वारा किया गया।

सीसीएल के आम्रपाली और चंद्रगुप्त क्षेत्र ने समय से पहले पूरा किया उत्पादन लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीसीएल के आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र ने 21 एमटी का उत्पादन लक्ष्य निर्धारित समय से 13 दिन पूर्व ही प्राप्त कर लिया है। पिछले वर्ष आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र ने 18 एमटी कोयले का उत्पादन किया था।

पिछले वर्ष की तुलना में आम्रपाली क्षेत्र ने 26% की वृद्धि के साथ अब तक 21 एमटी कोयले का उत्पादन किया है। महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी टीम पूरी निष्ठा के साथ उत्पादन में लगी हुई है।

आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल की महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी क्षेत्र है। जिसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएं हैं।

आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 एमटी कोयले का का भंडार है, वहीं दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 एमटी कोयले का भंडार है। इस वित्तीय वर्ष में आम्रपाली परियोजना 23 एमटी उत्पादन की ओर अग्रसर है।

ज्ञात हो की इस वर्ष सीसीएल का उत्पादन लक्ष्य 84 एमटी है। सीसीएल सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी के नेतृत्व में पूरी टीम लक्ष्य प्राप्ति की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर है। वार्षिक उत्पादन हेतु श्रमिक बंधुओं को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यालय से वरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा किया जा रहा है साथ ही साथ श्रमिक बंधुओं को सम्मानित भी किया जा रहा जिससे उनमें उत्साह की भावना बनी रहे।

सीसीएल का निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

रांची : गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल के जन आरोग्य केंद्र में निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 120 लोगों की जाँच की गई। शिविर में चिकित्सा के दौरान 45 मोतियाबिंद के मरीज मिले। इन मरीजों का ईलाज/सर्जरी गांधीनगर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क किया जायेगा। शिविर में शामिल हुए बाकी सभी मरीजों को भी निःशुल्क दवा दिया गया। ज्ञात हो कि सीसीएल सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी के मार्गदर्शन एवं निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र के नेतृत्व में सीसीएल अपने हितधारकों के लिए इस तरह का आयोजन समय-समय पर करता रहता है। सीसीएल के कमान क्षेत्र सहित आस-पास के लोग इस शिविर का लाभ लेने के लिए शामिल हुए। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा प्रदान करना था। इस शिविर के सफल आयोजन में डॉ. रत्नेश जैन, सीएमएस इंचार्ज, सीसीएल, डॉ. प्रीति तिग्गा, सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज, डॉ. दीपाली, डॉ. सत्यप्रकाश रंजन, डॉ. रजनी कुजूर, नेत्र विशेषज्ञ, डॉ. स्मिता आनंद, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. अंशु, डॉ. शाम्भवी एवं पारा मेडिकल स्टाफ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सोशल मीडिया में सीसीएल

@CCLRanchi

CCL has achieved the AAP (Annual Action Plan) target of Coal Production of 84 MT on 27/03/24 with four days remaining in the current FY with a growth rate of 13.3%.
Best wishes to #TeamCCL.

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

CCL has awarded a colossal long-term outsourcing contract valued at Rs 9,195.75 Crores for Ashoka OCP in Piparwar for a period of 12 years.
A project with a 20 MTY capacity is a transformative initiative from CCL.

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

#InternationalWomensDay was celebrated with zest & fervour at CCL.
Various programs were held at Hq & areas in which CMD CCL,FDs, CVO and large no of employees participated
16 female employees& female achievers from various fields were felicitated & shared their success stories.

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

CCL crosses the milestone of last year's coal production.
Breaking the records, CCL has surpassed the last year's record coal production of 76.1 MT, on 7th March, 24 days ahead in the current fiscal.
A significant stride towards powering progress and shaping a sustainable future.

(आंतरिक वितरण हेतु सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित)
सम्पादक : आलोक कुमार, विभागाध्यक्ष, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, उप प्रबंधक (जनसम्पर्क), मयंक कश्यप, उप प्रबंधक (सीडी), मनीष कुमार तिवारी, एमटी, जनसम्पर्क विभाग